Mining Students of ICFAI University undergo Training on First Aid – April 11, 2019

MORNING INDIA
www.sanmarglive.com
03 Ranchi, Friday
12 April 2019

Mining students of ICFAI University undergo training on first aid

MI NEWS SERVICE

RANCHI: Training on first aid was conducted at ICFAI University, Jharkhand for the Mining Engineering students of B.Tech and Diploma, by St John Ambulance Association. As per the regulations of Directorate General of Mine Safety (DGMS), it is mandatory that all the Mining Students should be trained on First-Aid by approved faculty and possess certificate in first-aid, before they are allowed to appear in the examination conducted by DGMS Board of Mining Examinations, which is essential for any recruitment in Mining Companies.

Welcoming the participants to the training, Prof Arvind Kumar, Associate Dean, Faculty of Science and Technology said, "Our University ensures that all the Mining Engineering students are provided the needed hands-on skills in Mining, by way of compulsory summer internship in mines for a minimum period of 6 months, spread over 3 years so that they become job ready, by the time they complete the course". Congratulating the students for their performance during the First-Aid evaluation tests, Prof Umesh Kumar Sharma, former Director, DGMS and HOD, Mining Dept said, "ICFAI University is the only University in this Region, which has organized such a training program on First-Aid for the benefit of its students". "Our University also has installed Gas Testing Facility so that our Mining students are trained on gas testing and appear for the Gas Testing examination, conducted by DGMS, which is also essential for applying for jobs in mining companies.

the pioneer

Mining students of ICFAI undergo first aid training

शुक्रवार, 12 अप्रैल 2019

हिन्दुस्तान

20

इक्फाई विश्वविद्यालय के खनन छात्रों को फर्स्ट एड प्रशिक्षण मिला

रांची | संवाददाता

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में सेंट जॉन एंबुलेंस एसोसिएशन की ओर से बीटेक और डिप्लोमा के माइनिंग इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया।

खान सुरक्षा महानिदेशालय के नियमों के अनुसार यह अनिवार्य है कि सभी खनन छात्रों को फर्स्ट एड में प्रशिक्षित होना चाहिए व फर्स्ट एड में सर्टिफिकेट होना चाहिए, ताकि प्रशिक्षित छात्र को डीजीएमएस बोर्ड ऑफ माइनिंग एग्जामिनेशन द्वारा माइनिंग कंपनियों में किसी भी भर्ती परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल सके।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय के एसोसिएट डीन प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करता है कि सभी माइनिंग इंजीनियरिंग छात्रों को खानों में अनिवार्य ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के माध्यम से खनन में आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए।

फर्स्ट-एड मूल्यांकन परीक्षण के दौरान छात्रों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए, खनन विभाग के पूर्व निदेशक, डीजीएमएस और एचओडी, प्रो उमेश कुमार शर्मा ने कहा कि इक्फाई विश्वविद्यालय इस क्षेत्र का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसने सबसे पहले इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम अपने छात्रों के लाभ के लिए आयोजित किया है।

इक्फाई विवि में गुरुवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करतीं विशेषज्ञ।

खबर मन्त्र

रांची, शुक्रवार, 12 अप्रैल 2019 | 16

इक्फाई विवि के खनन छात्रों को मिली फर्स्ट एड ट्रेनिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इक्फाई विवि झारखंड में सेंट जॉन एम्बुलेंस एसोसिएशन द्वारा बीटेक और डिप्लोमा के माइनिंग इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण दिया गया। खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के नियमों के अनुसार, यह अनिवार्य है कि सभी खनन छात्रों को फर्स्ट -एड में प्रशिक्षित होना चाहिए तथा फर्स्ट-एड में सर्टिफिकेट होना चाहिए, ताकि प्रशिक्षित छात्र को डीजीएमएस बोर्ड ऑफ माइनिंग एग्जामिनेशन द्वारा माइनिंग कंपनियों में किसी भी भर्ती के परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल सके। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय के एसोसिएट डीन प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि उनका विवि यह सुनिश्चित करता है कि सभी माइनिंग इंजीनियरिंग छात्रों को खानों में अनिवार्य ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के माध्यम से खनन में आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए।

फर्स्ट-एड मूल्यांकन परीक्षण के दौरान छात्रों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए खनन विभाग के पूर्व निदेशक, डीजीएमएस और एचओडी, प्रो उमेश कुमार शर्मा ने कहा कि इक्फाई विश्वविद्यालय इस क्षेत्र का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जहां सबसे पहले इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम अपने छात्रों के लाभ के लिए आयोजित किया है। प्रो शर्मा ने कहा की उनके विश्वविद्यालय ने गैस परीक्षण लैब की सुविधा भी स्थापित की गयी है, ताकि खनन छात्रों को गैस परीक्षण पर प्रशिक्षित किया जा सके। वह डीजीएमएस द्वारा संचालित गैस परीक्षण परीक्षा में उपस्थित हों।

city भास्कर

RANCHI, FRIDAY, 12/04/2019

First Aid Training

माइनिंग इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को मिली फर्स्ट एड की ट्रेनिंग

सिटी रिपोर्टर | रांची

इक्फाई विवि में बीटेक और डिप्लोमा माइनिंग इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स के लिए फर्स्ट एड की ट्रेनिंग दी गई। आयोजन सेंट जॉन एम्बुलेंस एसोसिएशन द्वारा किया गया। खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के नियमों के अनुसार यह अनिवार्य है कि सभी माइनिंग स्टूडेंट्स को फर्स्ट एड में प्रशिक्षित होना चाहिए। ताकि उन्हें डीजीएमएस बोर्ड ऑफ माइनिंग एग्जामिनेशन द्वारा माइनिंग कंपनियों में भर्ती की परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल सके।

इस अवसर पर विवि के विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय के एसोसिएट डीन डॉ. अरविंद कुमार, खनन विभाग के पूर्व निदेशक, डीजीएमएस और एचओडी प्रो. उमेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे। बताया गया कि विवि में गैस परीक्षण लैब भी दी गई है, ताकि छात्रों को इसका प्रशिक्षण मिल सके और उन्हें आगे नौकरियों में इसका फायदा मिल सके।